हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2021

एम.एच.डी.-24 : मध्यकालीन कविता – 2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न* ***अनिवार्य*** *है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं ***दो*** की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) ये रहीम निज संग लै, जनमत जगत न कोय ।
बैर प्रीति अभ्यास बस, होत होत ही होय ।।

(ख) अमल सजल घनस्याम वपु केशोदास,
चन्दहु ते चारु मुख सुषमा को ग्राम है ।
कोमल कमल दल दीरघ विलोचननि
सोदर समान रूप न्यारो-न्यारो नाम है ।।
बालक विलोकियत पूरण पुरुष, गुन
मेरो मन मोहियत ऐसो रूप धाम है ।
वैर जिय मानि वामदेव को धनुष तोरो
जानत हौ बीस बिसे राम भेस काम है ।।

(ग) प्रीतम आए प्रभात प्रिया-घर, राति रमैं रति-चिह्न लिए हीं;
बैठि रही पलका पर सुंदरि नैन नवायकें, धीर धरें हीं ।
बाँह गहैं 'मतिराम' कहैं, न रही रिस मानिनी के हठ कें हीं;
बोली न बोल कछू, सतरायकें, भौंह चढ़ाय तकी तिरछौंहीं ।।

(घ) स्याम सरूप घटा ज्यों, अनूपम नीलपटा तन राधे कै झूमै ।
राधे के अंग के रंग रंग्यो पट, वीजुरी ज्यों घन सो तन भूमै ।
है प्रतिमूरति दोऊ, दुहू की, किधौं प्रतिबिंब वही घट दूमैं ।।
एकहि देव दुदेह दुदेहरे, देहरे द्वै इक देव दुहू मैं ।।

2. रीतिकाल के संदर्भ में मध्ययुगीनता की अवधारणा को विश्लेषित कीजिए । *10*

3. रहीम की रचनाओं का सोदाहरण परिचय दीजिए । *10*

4. केशव के काव्य की विशिष्टताओं पर प्रकाश डालिए । *10*

5. मतिराम के काव्य के भाषिक सौन्दर्य का सोदाहरण विवेचन कीजिए । *10*

6. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

(क) रसिक प्रिया

(ख) लक्षण ग्रंथ

(ग) देव की भक्ति भावना

(घ) शिवसिंह सरोज